दृष्टि The Vision

सामान्य अध्ययन (टेस्ट - V)

GENERAL STUDIES (Test - V)

मॉड्यूल - V / Module - V

DTVF/18–M–GS5

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

नाम (Name): Ravi Kumar Sihag

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? हाँ ☐ नहीं ☐

मोबाइल नं. (Mobile No.):

ई-मेल पता (E-mail address):

टेस्ट नं. एवं दिनांक (Test No. & Date): 05 13/02/18

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2018] [Roll.No. UPSC (Pre) Exam-2018]:

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam.): हिन्दी

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature): RaviSihag

नोट: प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश अंतिम पृष्ठ पर संलग्न है।

Evaluation Analysis

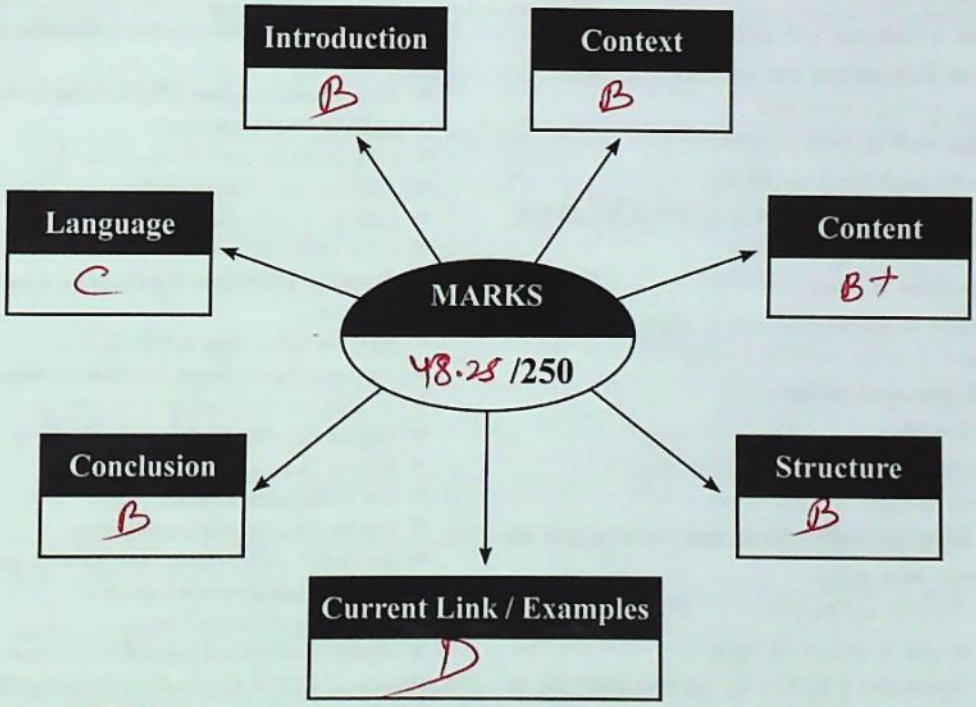

मूल्यांकनकर्ता (कोड तथा हस्ताक्षर)
Evaluator (Code & Signatures)

पुनरीक्षणकर्ता (कोड तथा हस्ताक्षर)
Reviewer (Code & Signatures)

मूल्यांकन की पद्धति

प्रिय अभ्यर्थियों,

आपकी उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए परीक्षक-समूह के सदस्य निम्नलिखित निर्देशों का ध्यान रखते हैं। आप भी इन्हें ध्यान से पढ़ें ताकि आप अपने प्राप्तांकों का तार्किक कारण समझ सकें।

परीक्षकों के लिये निर्देश

1. मूल्यांकन में अंकों का वही स्तर रखा जाना चाहिये जैसा संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) के परीक्षकों द्वारा रखा जाता है।
2. सामान्य अध्ययन का जो उत्तर हर दृष्टिकोण से सटीक व उत्कृष्ट है; उसे अधिकतम 60% अंक दिये जाने चाहियें क्योंकि आयोग द्वारा किये जाने वाले मूल्यांकन में भी इससे अधिक अंक मिलना लगभग असंभव है। वैकल्पिक विषयों के उत्कृष्ट उत्तरों तथा श्रेष्ठतम निबंधों में अधिकतम 70% तक अंक दिये जा सकते हैं।
3. कृपया अंकों का वितरण निम्नलिखित तालिका के अनुसार करें-

उत्तर का स्तर (Standard of Answer)	सामान्य अध्ययन में अंक-स्तर (Marks Standard G.S.)	वैकल्पिक विषय तथा निबंध में अंक-स्तर (Marks Standard - Optional Subject and Essay)
उत्कृष्ट (Excellent)	51-60%	61-70%
बहुत अच्छा (Very Good)	41-50%	51-60%
अच्छा (Good)	31-40%	41-50%
औसत (Average)	21-30%	31-40%
कमज़ोर (Poor)	0-20%	0-30%

4. कृपया उत्तर में निम्नलिखित गुणों को विशेष प्रोत्साहन दें-
   - प्रश्न की सटीक समझ व उत्तर की व्यवस्थित रूपरेखा
   - संक्षिप्त, टू-द-पॉइंट लेखन शैली
   - प्रामाणिक तथ्यों का समुचित उपयोग
   - अधिकतम जरूरी बिंदुओं का समावेश
   - सरकारी दस्तावेज़ों (मंत्रालयों/आयोगों की रिपोर्ट्स, पॉलिसी पेपर्स आदि) के संदर्भों की चर्चा
   - प्रभावी भूमिका व निष्कर्ष
   - समकालीन घटनाओं/प्रसंगों को उत्तर से जोड़ना
   - दृष्टिकोण में संतुलन, समावेशन व गहराई
   - अच्छी, साफ-सुथरी हैंडराइटिंग
   - भाषा में प्रवाह
   - आवश्यकतानुसार डायग्राम्स, नक्शों आदि का प्रयोग
   - तकनीकी शब्दावली का सटीक उपयोग
   - सुंदर प्रस्तुति शैली (छोटे पैराग्राफ्स रखना, महत्त्वपूर्ण शब्दों को अंडरलाइन करना आदि)
   - विराम चिह्नों का समुचित प्रयोग
   - भाषा में वर्तनी व व्याकरण की शुद्धता
5. टॉपर्स के अनुभव बताते हैं कि उत्तर की विषयवस्तु अच्छी होने पर आयोग के परीक्षक शब्द-सीमा के थोड़े बहुत उल्लंघन पर अंक नहीं काटते हैं। कृपया आप भी इसी दृष्टिकोण के अनुसार अंक-निर्धारण करें।

Method of Evaluation

Dear Candidates,

While assessing your answer-scripts, the evaluators are required to follow the given instructions. You should also read them carefully to understand the logic behind the marks obtained by you in the tests.

Instructions for the Evaluators

1. The level of marks while evaluating the answers should be kept as per UPSC (Union Public Service Commission) standards as far as possible.
2. The answers of General Studies which are accurate and excellent from every perspective should be awarded a maximum of 60% marks as it is almost impossible to get more than that in actual UPSC examination. Excellent answers in optional subjects and the best written essays can be awarded a maximum of 70% marks.
3. Please assign the marks according to the following table-

4. Please devote special attention to the following qualities in an answer–
   - Accurate understanding of the question and systematic presentation of the answer
   - Crisp and to the point writing style
   - Adequate use of authentic facts
   - Inclusion of all the important points
   - Citing of relevant facts and figures from relevant official documents (Ministries /Commissions Reports, Policy Papers etc.)
   - Effective introduction and conclusion
   - Linking of current events and situations with the answer
   - Balance and depth in answer-writing
   - Legible and clean handwriting
   - Flow of language
   - Use of diagrams, maps etc
   - Precise use of technical terminology
   - Beautiful presentation style (small paragraphs, underlining important words etc.)
   - Proper use of punctuations
   - Correct spellings and right use of grammar
5. Experience of UPSC toppers also indicates that if the content of the answer is good, the UPSC examiners do not cut the marks on slight violations of the word-limit. Please award marks strictly according to the above-mentioned instructions.

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

1. सुस्पष्ट कीजिये कि उपनिवेशवाद ने किस प्रकार से औपनिवेशिक समाज को मौलिक रूप से परिवर्तित कर दिया एवं उसे विश्व पूंजीवादी व्यवस्था का अभिन्न अंग बना दिया? (150 शब्द) 10
Clarify how colonialism fundamentally changed the colonial societies and made them an inseparable part of the global capitalistic economy? (150 words) 10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

~~अंग्रेजों के आगमन से पूर्व~~
पुनर्जागरण से प्रेरित होकर यूरोपीय देशों ने व्यापार हेतु एशियाई, अफ्रीकाई देशों के मध्य समुद्री यात्रा कर व्यापार-वाणिज्य को प्रोत्साहन दिया। मालों के आयात एवं व्यापार से उत्पन्न लाभ के लोभ ने इन साम्राज्यवादी ताकतों को उपनिवेश बनाकर शोषण करने को बाध्य किया।

शोषण के प्रथम चरण में ताकतों ने उपनिवेशों की राजनीतिक ताकतों पर अधिकार कर उनके राजस्व से ही व्यापार करना शुरू किया परंतु धीरे-धीरे औद्योगिक क्रान्ति के फलस्वरूप पश्चिम की भूखी मशीनों को कच्चा माल उपलब्ध कराने के लिए उपनिवेशों का सहारा लिया गया। यहाँ पर जबरन कच्चा माल उत्पादित कर निर्यात किया गया एवं वहाँ के तैयार माल के बाजार के लिए इन उपनिवेशों का प्रयोग किया गया। इसके अलावा उपनिवेशों के तैयार माल, हस्तशिल्प जो कि निर्यात किया जाता था पर जबरन अत्यधिक शुल्क लगाकर एवं आयात प्रतिस्थापन की नीति अपनाकर शुल्क कर दिया गया। इस प्रकार एकतरफा संरक्षण की नीति के कारण यहाँ उपनिवेश के कच्चे माल के स्रोत व तैयार माल के बाजार बन गए जबकि

(प्रश्न) में उपनिवेशवाद को परिभाषित करें।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

साम्राज्यवादी देश विनिर्मित वस्तुओं के उत्पादक।
इस प्रकार की व्यवस्था से उपनिवेशों की मौलिक समाज संरचना टूट गई। हस्तशिल्प, बुनकरों की कमर टूट गई। वे भूमि पर अनावश्यक बोझ बन गए। सम्पूर्ण व्यवस्था चरमरा गई और यह समाज उस पूंजीवादी अर्थव्यवस्था के शोषित अंग के रूप में उसका अंग बन गया।

3.5

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

2. उन्नीसवीं सदी के उत्तरार्द्ध में विकासमान 'मध्यवर्गीय चेतना' जहाँ लोकप्रिय असंतोषों को संगठित कर राष्ट्रीय चेतना के विकास की महत्त्वपूर्ण कारक सिद्ध हुई, वहीं वायसराय लिटन की प्रतिक्रियावादी नीतियों ने इसे सशक्त बनाया। विवेचना करें। (150 शब्द) 10

The emerging 'middle class consciousness' in the late nineteenth century consolidated the popular unrest and proved to be an important factor in the development of national consciousness, while the reactionary policies of Viceroy Lytton strengthened it. Elucidate. (150 words) 10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

वस्तुतः 1857 के संघर्ष के बाद से ही अंग्रेजों ने सामाजिक, राजनीतिक सुधार के झूठे दिखावों को त्याग कर प्रतिक्रियावादी रुख अपना लिया था। अंग्रेजी शिक्षा एवं पाश्चात्य ज्ञान-विज्ञान एवं दर्शन का अध्ययन कर भारत का शिक्षित मध्य वर्ग अंग्रेजों की नीतियों पर प्रश्न उठाने लगा था।

भारतीय मध्यवर्गीय बुद्धिजीवियों जैसे- दादाभाई नौरोजी, फिरोजशाह मेहता, आदि ने अंग्रेजों की आर्थिक नीतियों की आलोचना की। नौरोजी जी ने 'पुवर्टी एंड अनब्रिटिश रूल इन इंडिया' जैसी पुस्तक लिख धन बहिर्गमन का सिद्धान्त दिया तथा 'ईस्ट इंडिया एसोसिएशन', मद्रास महाजन सभा जैसे संगठनों ने राजनीतिक चेतना का शंखनाद किया।

वहीं दूसरी ओर वायसराय लिटन जैसे प्रतिक्रियावादियों ने वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट (1878) जैसे कानूनों जिसके अन्तर्गत किसी भी अखबार को बंद किया जा सकता था, आर्म्स एक्ट (हथियार रखने की अनुमति न देना) आदि के द्वारा इस राष्ट्रीय चेतना को दबाने का भरपूर प्रयास किया परन्तु इस

good

अच्छा है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

प्रतिक्रिया के फलस्वरूप आरंभिक मध्यवर्गीय बुद्धिजीवियों में भी प्रतिक्रिया हुई, उन्होंने, भाषणों, मंचों, सेमीनारों के माध्यम से इन नीतियों की चर्चा कर कड़ आलोचना की। इस प्रकार लिटन की प्रतिक्रियावादी नीतियों ने राष्ट्रीय चेतना को सशक्त ही किया।

सराहनीय प्रयास

good

4.5

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

4. 'बाँटो और राज करो' की औपनिवेशक नीति ने ही भारत में सांप्रदायिकता का बीज बोया जो कालांतर में वट वृक्ष बन गया और उसने भारत की सदियों पुरानी समरसता को भंग कर दिया, अंततः इसी की परिणति देश के विभाजन के रूप में परिलक्षित हुई। चर्चा करें। (150 शब्द) 10

It was the purposeful colonial policy of 'Divide and rule' that laid the seeds of communalism which grew into a huge tree that disturbed the solidarity of the age-old mosaic of India and inevitably led to its partition. Discuss. (150 words) 10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारतीय संस्कृति अपने मूल स्वरूप में सहिष्णु रही है। जो भी बाहरी आक्रमणकारी यहाँ आए, वे यहाँ के होकर रह गए। इस बात के प्रमाण उपलब्ध हैं कि अंग्रेजों के आक्रमण से पहले भारत में सांप्रदायिक आधार पर दंगे, लड़ाई, अशांति जैसी वस्तु विद्यमान नहीं थी।

अंग्रेजों की नीतियाँ धार्मिक आधार पर बाँटने की तर्ज पर परिवर्तनशील रही हैं। 1857 की क्रान्ति से पूर्व अंग्रेज मुस्लिम उन्मुख रहे और मुस्लिम जमींदारों, शासकों से सहयोग प्राप्त करते रहे परन्तु 1857 के विद्रोह में उन्होंने यह समझा कि हिंदु-मुस्लिम एकजुटता उन्हें शासन के स्थायित्व हेतु खतरा है अतः उन्होंने 'फूट डालो राज करो' की नीति को अपनाते हुए 19वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध तक मुस्लिमों के प्रति भेदभावपूर्ण रवैया अपनाते हुए हिंदू बुद्धिजीवियों के पक्षधर रहे। कालान्तर में हिंदु शिक्षित वर्ग द्वारा अंग्रेजों की आर्थिक नीतियों की आलोचना एवं स्वतंत्रता की मांग के कारण तेवर बदलते हुए अंग्रेजों ने मुस्लिम संप्रदायवादी नेताओं के कंधे पर अपना हाथ रखा एवं उन्हें समर्थन दिया। इसके अलावा बाद में

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

गठित अतिवादी हिंदू संगठनों को भी राष्ट्रीय आंदोलन में बाधा उत्पन्न करने के हथियार के रूप में प्रयोग किया। इस प्रकार सांप्रदायिक नेताओं को ही पूरे धर्म का नेता मानना, प्रचार-प्रसार हेतु प्रोत्साहन देना, वित्त प्रदान करना, रोजगार में विभेद जैसी घटनाओं ने अत्यन्त विकराल रूप धारण कर लिया जिसके फलस्वरूप मोहम्मद अली जिन्ना जैसे नेता जोकि प्रारम्भ में एक देशभक्त थे, ने पाकिस्तान की मांग कर विभाजन का रास्ता अख्तियार किया। इसके अलावा पृथक निर्वाचक मंडल भी एक प्रमुख घटना थी जिसने आग में घी का काम किया।

इस प्रकार अंग्रेजी नीतियाँ भारतीय समरसता को भंग करने में मददगार सिद्ध हुईं।

2.5

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

8. विश्लेषित कीजिये कि किस प्रकार प्रथम विश्वयुद्ध 'रूसी क्रांति' के लिये एक ऐसी घटना सिद्ध हुई जिसने रूसी जनता को राजनीति से जोड़ा तथा एकतंत्रीय सत्ता के विरोध में सभी राजनीतिक ताकतों को एकसूत्र में पिरो दिया। (150 शब्द) 10

Analyze how the First World War proved to be an important factor in the 'Russian revolution' which linked Russian people to politics and united all the political forces in opposing autocratic power. (150 words) 10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

रूस में निरंकुश राजतंत्र का शासन था जिसका प्रमुख जार कहलाता था। यहाँ पर मार्क्सवादी सिद्धान्तों की तरह श्रमिक बहुल समाज न होकर गरीब कृषक बहुल समाज था। लगभग डेढ़ लाख अमीर सामंतों के पास देश की 70 प्रतिशत भूमि थी जबकि 15 करोड़ गरीब किसानों के पास केवल 10 प्रतिशत। जार द्वारा संसद ड्यूमा में निरन्तर हस्तक्षेप, शक्तियों का केन्द्रीकरण, अल्प औद्योगिकीकरण के कारण जो श्रमिक आबादी थी वह भी अत्यन्त शोषित व उत्पीड़न युक्त जीवन जी रही थी।

इन सभी परिस्थितियों में जार द्वारा व्यापक विरोध के बावजूद सेना को प्रथम विश्वयुद्ध में झोंक दिया गया, जिसके फलस्वरूप देश के संसाधनों का दोहन हुआ, मंहगाई में वृद्धि हुई, खाद्य एवं आवश्यक वस्तुओं की भीषण कमी उत्पन्न हो गई। जनता में विद्रोह के स्वर बुलंद हो गए जिन्हें 'लेनिन' जैसे प्रखर नेता ने मजबूत आधार प्रदान किया। रूसी राष्ट्रवाद एवं शक्ति का भ्रम भी 1905 के जापान युद्ध में टूट चुका था। लेनिन के ओजस्वी भाषणों, समानता के वादों एवं एक खुशहाल समाज

प्रभावी तरीके से स्पष्ट करें।

प्रश्नानुसार युद्ध की आलोचनात्मक बिन्दुवार प्रभावी ढंग से स्पष्ट करें

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

के सपनों के कारण मार्क्सवाद के मजदूर वर्ग की जगह गरीब किसान मजदूर हो गए एवं राजशाही को उखाड़ फेंका। सेना ने भी विद्रोह का दमन करने से इंकार कर दिया। फलस्वरूप निरंकुश राजशाही का अंत हुआ एवं विश्व का पहला समाजवादी देश स्थापित हुआ।

प्रश्नानुसार [redacted] स्पष्टीकरण को प्रभावी बनायें।

2.5

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

13. सुस्पष्ट कीजिये कि हाल के वर्षों में संसदीय कार्यप्रणाली की उत्पादकता एवं गुणवत्ता में किस प्रकार का क्षरण दृष्टिगत हो रहा है एवं इसके उपचार हेतु आप किस प्रकार के सुधारों की अनुशंसा करेंगे? (250 शब्द) 15

Explain how the productivity and effectiveness of the Parliamentary system have witnessed degeneration in recent years and what recommendations would you give to arrest the malaise? (250 words) 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

'संसद' - एक ऐसा शब्द है जिसका नाम लेते ही हमारे ज़ेहन में एक ओजस्वी वक्ताओं का समूह आता है परन्तु हालिया वर्षों में संसद सदस्यों की स्थिति मंदिर में बैठे उस वस्त्र के समान हो गई है जिसे पूजा अर्चना से कोई मतलब नहीं, वह खड़ा होता है तो सिर्फ प्रसाद पाने के लिए। जाहिर है कि ज्यों-ज्यों भारतीय लोकतंत्र का विकास हो रहा है संसदीय गुणवत्ता एवं उत्पादकता का क्षरण हो रहा है-

सर्वप्रथम संसद के कार्यदिवसों की गणना करें तो 1950 से 60 के दशक तक औसतन संसद 140 दिन चलती थी जो हालिया वर्षों में केवल 70 दिन ही रह गई है।

- प्रति मिनट 2.5 लाख के खर्च से चलने वाली संसद का अधिकांश समय शोर शराबे और हंगामें की भेंट चढ़ जाता है।
- लैंगिक समावेशन का अभाव अर्थात, मौजूदा संसद में केवल लगभग 11% महिलाएँ हैं और महिला आरक्षण विधेयक (108 वां संशोधन) अरसे से लंबित है।
- संसद में बौद्धिक संपदा एवं निवेश का अभाव है तथा कानूनी अड़चनों एवं संविधान संशोधन विशेषों की कमी के चलते कानूनों को न्यायिक समीक्षा के घेरे में आना पड़ता है।
- दल-बदल कानून के कारण सांसद सर्वोच्च महत्व के मुद्दों की बजाय सिर्फ पार्टी रेखा पर ही चलते हैं।

Good

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

संसद की लाइब्रेरी एवं प्रलेखन, सूचना व संदर्भ विभाग में भी आवश्यक स्टाफ का अभाव है। इसके अलावा यदि अन्य देशों की संसदों से तुलना करें तो अमेरीकी कांग्रेस का सत्र वर्ष में 150 दिन, ब्रिटिश संसद 150 दिन चलती है एवं यहाँ के सांसदों को भी पार्टी लाइन से हटकर भी मतदान की अनुमति है -

इस सभी समस्याओं के उपचार में निम्न समाधान सुझाए जा सकते हैं

(अ) संविधान की समीक्षा पर गठित आयोग द्वारा लोकसभा व राज्यसभा के कार्यदिवसों को नियत करने की सिफारिश को लागू करना जो क्रमशः 120 दिन व 100 दिन थी। ध्यातव्य है कि उड़ीसा राज्य द्वारा इस संदर्भ में एक बिल भी पारित किया गया है।

(ब) महिला आरक्षण विधेयक को पारित करना

(स) बौद्धिक संपदा में पर्याप्त निवेश करना।

(द) कानून मंत्रालय की सिफारिशानुसार अमेरीकी कांग्रेस की भाँति संविधान संशोधन हेतु एक अलग से समीति का गठन किया जाना चाहिये।

(य) संसदीय समीतियों की भूमिका को बढ़ाकर इन्हें शक्ति प्रदान की जानी चाहिये।

(र) निजी विधेयकों को भी पर्याप्त सम्मान देकर विचार किया जाना चाहिये।

(ल) दल-बदल कानून में उचित संशोधन होने चाहिये।

ध्यातव्य है कि उपर्युक्त संशोधनों को लागू करने से ही विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र विश्व के सबसे

संसद में अकुशल / कुछ कौशलित ... के लिये ... प्रावधान ... चाहिये

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

~~के~~ परिपक्व लोकतंत्र का परिचायक बन सकेगा और मंदिर के बालक को पूजा - अर्चना का महत्व व उसमें निहित आनंद का मर्म समझ आएगा।

प्रयास अच्छा था

भाषा शैली को प्रभावी बनायें।

6.5

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

15. केंद्र-राज्य विधायी संबंधों में क्षेत्रीय न्यायक्षेत्र के मामले में संसद पर किस प्रकार के प्रतिबंध आरोपित किये गए हैं? साथ ही स्पष्ट करें कि किन असामान्य स्थितियों में राज्य क्षेत्र में संसदीय विधान बनाए जा सकते हैं? (250 शब्द) 15

In the context of regional jurisdiction in centre-state legislative relations, what restrictions have been imposed over Parliament? Also explain under which exceptional circumstances Parliament can make laws on subjects in state list. (250 words) 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

संविधान के अनुच्छेद-1 के अनुसार भारत राज्यों का संघ है। भारत में संघात्मक पद्धति को अपनाया गया है जो कनाडाई मॉडल पर आधारित है अर्थात 'विभाज्य राज्यों का अविभाज्य संघ' है। संविधान की सातवीं अनुसूची में केन्द्र सूची, राज्य सूची व समवर्ती सूची का प्रावधान है जिसके अनुसार केन्द्र व राज्य की विधायिकाएँ अपनी-अपनी सूची से संबंधित विषयों पर कानून बनाने की शक्ति रखती हैं एवं समवर्ती सूची पर दोनों कानून बना सकती हैं, हालांकि संसदीय कानून विवाद होने की स्थिति में प्रभावी होगा। इसके अलावा क्षेत्रीय न्यायक्षेत्र के मामले में संसद पर कुछ निर्बंधन हैं-

(i) संसद राज्य सूची के विषयों पर कानून नहीं बना सकती हैं
(ii) समवर्ती सूची पर कानून बनाने से पहले राज्यों से परामर्श किया जाना चाहिये।
(iii) ऐसे संविधान संशोधन जिनसे संविधान की संघात्मक प्रकृति में परिवर्तन होता है, करने के लिए आधे राज्यों की मंजूरी आवश्यक है (अनुच्छेद 368)
(iv) नए राज्यों के निर्माण हेतु पुराने राज्यों की विधानसभा से सिफारिश लेनी चाहिये हालांकि इन सिफारिशों को मानने हेतु संसद बाध्य नहीं है।

good

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

इसके अलावा कुछ विशिष्ट परिस्थितियों हैं जिनमें संसद राज्य सूची के विषयों पर भी कानून बना सकती है-

(क) अपातकाल के समय (अनु० 352) - राष्ट्रीय अपात के समय राज्य विधायिकाएँ विघटित नहीं होती है फिर भी संसद कानून बना सकती हैं।

(ख) राष्ट्रपति शासन (अनु० 356) के दौरान - विधानसभा निलंबित या विघटित हो जाती है। कानून तब तक प्रभावी रहता है जब तक नव विधानसभा उसे संशोधित या निरसित न कर दे।

(ग) जब दो या दो से अधिक राज्य संकल्प पारित कर यह प्रस्ताव करे कि अमुक विषय पर संसदीय कानून बनाना चाहिये तब, परन्तु फिर ऐसा विधि वापिस राज्य विधानसभा को प्राप्त नहीं होती हैं।

(घ) राज्यसभा अनुच्छेद 249 के तहत संकल्प पारित कर यह सिद्ध करे कि अमुक महत्व के मुद्दे पर संसद को कानून बनाना चाहिये तब संसद उस राज्य सूची के विषय पर कानून बना सकेगी। ऐसे कानून एक वर्ष तक प्रभावी रहते हैं।

इस प्रकार भारतीय शासन पद्धति पूर्णतः संघात्मक नहीं है। परिस्थितियोंनुसार इसमें एकात्मकता या शक्ति झुकाव के लक्षण नजर आते हैं जिन्हें उपर्युक्त परिस्थितियों के आधार पर समझा जा सकता है।

good

7

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

16. नीति आयोग ने किन कारणों से अपने तीन वर्षीय कार्यवाही एजेंडे में कृषिगत आय की एक निश्चित सीमा पर करारोपण का प्रस्ताव किया है? इसका अर्थव्यवस्था एवं समाज पर क्या प्रभाव पड़ेगा? (250 शब्द) 15

Explain the reasons behind proposed taxation over a certain threshold of agriculture income in its 3 year action plan by NITI Aayog. What will be its impact on economy and society? (250 words) 15

हाल ही में नीति आयोग द्वारा पंचवर्षीय योजनाओं की व्यवस्था को खत्म कर तीन वर्षीय कार्यवाही एजेंडा आदि का सूत्रपात किया गया है। मतलब है कि नीति आयोग द्वारा देश के आय पक्ष में वृद्धि हेतु एक निश्चित सीमा तक करारोपण का सुझाव दिया है जो अमीर एवं आर्थिक रूप से सुदृढ़ किसानों पर लगाया जाएगा। इसके प्रभाव निम्न हो सकते हैं -

(क) अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

सकारात्मक प्रभाव-

(i) देश की राजस्व आमदनी में वृद्धि होगी।

(ii) कर आधार विस्तृत होगा एवं अधिक प्रत्यक्ष कर से अधिक जवाबदेहिता का सिद्धान्त मजबूत होगा।

(iii) आर्थिक रूप से मजबूत किसानों पर कर लगाकर उनकी अतिरिक्त आय का प्रयोग लोककल्याणकारी नीतियों कार्यों में किया जा सकेगा।

नकारात्मक प्रभाव।-

(i) कृषि का पिछड़ापन आज की सबसे बड़ी समस्या है और अतिरिक्त कर लगाकर इसके और अधिक विकृत होने की संभावना है।

(ii) जहाँ आज किसानों को उत्पादकता, उचित मूल्य न मिल पाना, जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याओं से

अच्छा

संक्षेप में कृषि आय कर लगाने के संदर्भ में नीति आयोग के तर्क को स्पष्ट करें

good

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

लड़ना पड़ रहा है वहीं अतिरिक्त करारोपण स्थितियाँ बदतर बना सकता है।

(ख) समाज पर प्रभाव

• सकारात्मक:- (i) समाज की आर्थिक विषमता कम करने में मदद मिलेगी। अमीर किसानों की आय को एक अलग कर बनाकर गरीब किसानों के उन्नयन में प्रयोग किया जा सकता है।

(ii) कुछ शक्तिशाली नेता या व्यक्तियों द्वारा अपनी आय को कृषिगत बताकर जो कर-चोरी की जाती है उसे रोका जा सकता है।

• नकारात्मक प्रभाव:- (i) अमीर किसान तो मिलीभगत से कर चोरी कर सकते हैं परन्तु मध्यम वर्ग के किसान इसकी चपेट में आ सकते हैं। साथ ही गरीब किसानों की सामाजिक उत्थान की गति प्रभावित हो सकती है।

हालांकि कुछ चुनौतियाँ जैसे- राजनीतिक इच्छाशक्ति, करदाताओं की पहचान की समस्या, उचित टैक्स दर की समस्या, अगर आपदा आ जाए तो कराधान किस प्रकार होगा; आर्थिक सम्पन्नता का पैमाना क्या हो?, आदि कुछ ऐसे सवाल हैं जिन पर विचार किया जाना आवश्यक है। यह एक विवादित मुद्दा है जिस पर उचित विचार-विमर्श कर गरीब किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए ही इस पर कार्य करना चाहिये।

क्यों कर लगाया जाए?
कारण:- (i) अमीर एवं सुदृढ़ किसानों द्वारा कर में

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

छूट का लाभ उठाना
(ii) आर्थिक विषमता - गरीब व अमीर किसानों में वृद्धि प्रगतिशील प्रत्यक्ष कराधान व्यवस्था से इसे दूर करने की इच्छा
(iii) राजनीतिक व्यक्तियों द्वारा कृषि आय बताकर कर छूट का लाभ उठाना।
(iv) कर आधार को विस्तृत बनाने की आकांक्षा।

क्रमबद्ध करें।

प्रयास अच्छा था

6.75

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

18. भारत के सभी परिवारों को बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु एक ऐसे ऊर्जा ढाँचे की आवश्यकता है जो इक्विटी, दक्षता एवं स्थिरता के सिद्धांत पर आधारित हो। सरकार द्वारा शुरू की गई 'सौभाग्य योजना' के संदर्भ में उक्त कथन पर प्रकाश डालें। (250 शब्द) 15

To make electricity available to every household in India, a power distribution structure is needed which is based on equity, efficiency and sustainability. Explain the above statement in the context of the 'Saubhagya Yojana' started by the government. (250 words) 15

पिछले वर्ष के मध्य में प्रधानमंत्री द्वारा बी-पी-एल परिवारों के लिए बिजली कनेक्शन सुनिश्चित करने हेतु प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना (सौभाग्य) का प्रस्ताव किया जिसके अन्तर्गत 16,000 करोड़ की लागत से देश के 4 करोड़ बी-पी-एल परिवारों को मुफ्त कनेक्शन प्रदान किए जायेंगे।

इतनी वृहद् परियोजना के क्रियान्वयन के लिए वित्त, प्रशासनिक सक्रियता के अलावा सबसे बड़ी जरूरत ऊर्जा ढांचे की है। न केवल बिजली का उत्पादन बल्कि बिजली उत्पादन, परिषण में इक्विटी, दक्षता एवं स्थिरता भी अत्यावश्यक है। इसे निम्न बिंदुओं से समझा जा सकता है-

(i) भारत में बिजली में ग्रिड की समस्याएँ विद्यमान है जिसके कारण बिजली का अपव्यय स्थानान्तरण के दौरान ही हो जाता है।

(ii) ऊर्जा उत्पादन की परियोजनाओं में देरी भी समस्या है, यद्यपि भारत विश्व में एक बड़ा नव्यकरणीय ऊर्जा हेतु प्रोजेक्ट (2022 तक 100 गीगावाट) चला रहा है परन्तु इस उत्पादित बिजली को उचित रूप से समायोजित व स्थानान्तरित करने की

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

आवश्यकता है।

(iii) प्रायः देखा गया है कि ऊर्जा ढांचा केवल उन्हीं राज्यों में विकसित है जो आर्थिक रूप से समृद्ध है एवं गरीब है। पिछड़े, गरीब एवं पहाड़ी राज्यों में भी बिजली के स्थानान्तरण हेतु संरचना का निर्माण किया जाना चाहिये।

(iv) जहाँ तक दक्षता का सवाल है विभिन्न सौर रूफ टॉप, ग्रीन बिल्डिंग, पवन ऊर्जा चक्कियाँ, पम्प मशीनें आदि का प्रयोग, जागरूकता फैलाकर बिजली की बचत की जा सकती है। इस अधिशेष बिजली का स्थानान्तरण पिछड़े वर्गों में किया जा सकता है

ऐसा भी नहीं है कि सरकार द्वारा कोई प्रयत्न नहीं किए जा रहे। सरकार द्वारा सोलर पार्कों, पहाड़ी क्षेत्रों में लघु पनबिजली परियोजनाओं, पवन ऊर्जा में पर्याप्त निवेश किया जा रहा है जो कि बिजली आपूर्ति में सहायक सिद्ध होंगे। दक्षता के स्तर पर ग्रीन बिल्डिंग, जैसी अवधारणाएँ विद्यमान है वो पारेषण की समस्या के लिए विभिन्न राज्यों एवं केन्द्र के सहयोग से गलियारे का निर्माण किया जा रहा है जो कि इस समस्या के समाधान में सहायक होगा।

इस प्रकार 'बिजली की बचत ही बिजली का उत्पादन है', जैसी कहावतों के चरितार्थ जागरूकता फैलाकर ही बिजली के आधिक्य को सौभाग्य जैसी योजनाओं के द्वारा पिछड़े व गरीब वर्गों के घर में रोशनी देने हेतु किया जा सकता है

तराशीय प्रयास थे
good
7.5

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

20. हाल ही में जारी 'ईज़ ऑफ़ डूइंग बिज़नेस रिपोर्ट' के विशेष संदर्भ में भारतीय विनिर्माण क्षेत्रक की प्रमुख समस्याओं पर प्रकाश डालें एवं इनके निवारण के उपायों की चर्चा करें। (250 शब्द) 15

Discuss the main problems of Indian manufacturing sector in the context of recently released 'Ease of Doing Business' report and suggest measures to solve these problems. (250 words) 15

हाल ही में विश्व बैंक द्वारा जारी 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रिपोर्ट' में भारत को 100 वां स्थान प्रदान किया गया। गौरतलब है कि भारत पिछले वर्ष की तुलना में 30 स्थानों की छलांग लगा पाया है। वर्तमान समय में भारतीय अर्थव्यवस्था में किए गए व्यापक सुधारों के कारण ऐसा संभव हो पाया है। रिपोर्ट के संदर्भ में यदि भारत के विनिर्माण क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं का वर्णन निम्न है-

(क) कृषि का पिछड़ापन :- यदि अनेक विनिर्माण उद्योग जैसे कपड़ा, चमड़ा आदि अपने आगतों के लिए कृषि पर निर्भर रहते हैं तथा कृषि में पर्याप्त उत्पादन न होने के कारण उत्पादन की समस्या विद्यमान रहती है। इसके अलावा आपूर्ति श्रृंखला में बाधा भी प्रमुख समस्या है

(ख) संयोजकता की समस्या :- दूसरी बड़ी समस्या आधारभूत ढांचे, यातायात, संचार की समस्या है जिसके फलस्वरूप विदेशी कंपनियों को माल के स्थानान्तरण में समस्या आती है एवं उनकी लागतें बढ़ जाती है।

(ग) कुशल श्रमिकों की समस्या :- भारत में शिक्षा, स्वास्थ्य की उचित सुविधा न होने के कारण कुशल श्रमिकों का अभाव है जो कि कंपनियों को भारत से विमुखीकरण को बढ़ाता है

(घ) ऊर्जा आपूर्ति का पर्याप्त न होना - बिजली संस्थान आदि देने में समस्या।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

(घ) कराधान संबंधी मुद्दे :- भारत में कानून है कि भारत कंपनियों के निवेश के समय हुए कर समझौतों में संशोधन कर सकता है अन्तर्राष्ट्रीय कंपनियां इसे कर आतंकवादी संज्ञा देती है

निवारण के समाधान :-

(क) आधारभूत ढाँचे में निवेश करना - इस हेतु सरकार द्वारा भारतमाला, सागरमाला, तटीय आर्थिक क्षेत्र आदि योजनाएं चलाई जा रही हैं जिन्हें त्वरित किए जाने की आवश्यकता है

(ख) खाद्य- प्रसंस्करण उद्योगों का विकास करना। सरकार प्रधानमंत्री कृषि संपदा योजना, मेगा फूड पार्क एवं विश्व खाद्य भारत जैसे आयोजनों द्वारा इन्हें बढावा दे रही है

(ग) ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करना - सरकार द्वारा नवीकरणीय ऊर्जा हेतु एक व्यापक (100 GW) का कार्यक्रम चलाया जा रहा है इसके अलावा सरकार को पारेषण लाइनों में सुधार पर भी ध्यान केन्द्रित करना चाहिये।

(घ) कुशलश्रमिकों की आपूर्ति करना - स्किल इंडिया जैसे कार्यक्रमों को त्वरित कर समाधान सुनिश्चित करना चाहिये।

(ङ) सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों का विकास क्योंकि भारत के निर्माण क्षेत्र में 40 फीसदी योगदान देते हैं।

इसके अलावा सरकार को उपर्युक्त उपायों के अलावा नीतियों एवं क्रियान्वयन के स्तर पर सुधार कर, कर प्रावधानों को सरल बनाने

good

हालांकि सरकार का यह सराहनीय प्रयास है

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

का प्रयास करना चाहिये ताकि अन्तर्रा० स्तर पर चीन के सस्त मंहगे होते श्रम के कारण बहुराष्ट्रीय कंपनियों के भारत आगमन एवं जनांकीय लाभांश से देश का विकास सुनिश्चित किया जा सके।

बेहतर प्रयास है

good

7.5

कृपया इस स्थान कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Feedback

Questions ....

Model Answer & Answer Structure ....

Evaluation ....

Staff ....

Copyright – Drishti The Vision Foundation

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **बीस** प्रश्न हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं।*

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

समग्र मूल्यांकन

(Overall Evaluation)

- अच्छा प्रयास है
- सभी अनिवार्य प्रश्नों का उत्तर दें।
- प्रस्तुतीकरण पर भी विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है
- निरंतर उत्तर लेखन का अभ्यास करें।

Copyright – Drishti The Vision Foundation